Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J—8307

PAPER—III

PALI LANGUAGE AND LITERATURE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PĀLI LANGUAGE AND LITERATURE

पालि भाषा एवं साहित्य

PAPER – III / प्रश्न-पत्र – III / पञ्हपण्णं – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidates are required to answer all the questions in Pāli.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है। सभी प्रश्नों के उत्तर पालि भाषा में देना अपेक्षित है।

सङ्केतो : इमस्स पञ्हपण्णस्स अङ्कानि द्वे सतानि, चतूसु कण्डेसु विभत्तानि च होन्ति। इमेसु कण्डेसु समाहितानं पञ्हानं उत्तरं पच्चेक-कण्डस्स निद्देसानुसारं विस्सज्जनीयं। सब्बपञ्हानं उत्तरं पालि-भासायं दातुं अपेक्खितं' ति।

SECTION - I
खण्ड – I
पठमो कण्डो

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

सङ्केतो : इमस्मिं कण्डे अधोलिखितं अनुच्छेदं आरब्भं पञ्च पञ्हा विज्जन्ति। पच्चेक-पञ्हस्स उत्तरं परितं तिंसति (30) सद्देसु आकङ्खितं'ति। पच्चेकपञ्हस्स पञ्च अङ्का निद्धारिता। **(5x5=25 अङ्क)**

Tena samayena buddho bhagavā Uruvelāyam viharati najjā Nerañjarāya tīre bodhirukkhamūle pathamābhisambuddho. Atha kho bhagavā bodhirukkhamūle sattāham ekapallaṅkena nisīdi vimuttisukhapatisamvedi. ||1|| atha kho bhagavā rattiyā pathamam yāmam paticcasamuppādam anulomapatilomam mana' ākāsi: avijjāpaccayā samkhārā, samkhārapaccayā viññānam, viññānapaccayā nāmarūpam, nāmarūpapaccayā salāyatanam, salāyatanapaccayā phasso, phassapaccayā vedanā, vedanāpaccayā tanhā, tanhāpaccayā upādānam, upādānapaccayā bhavo, bhavapaccayā jāti, jātipaccayā jarāmaranam sokaparidevadukkhadomanassupāyāsā sambhavanti. Evam etassa kevalassa dukkhakkhandhassa samudayo hoti. Avijjāya tveva asesavirāganirodho, samkhāranirodho, samkhāranirodhā viññānirodho, viññānirodho, nāmarūpanirodha Nāmarūpanirodhā salāyatananirodho, salāyatananirodhā phassanirodho, phassanirodhā vedanānirodho, vedanānirodhā tanhānirodho, upādānanirodhā bhavanirodho, bhavanirodhā jātinirodho, jātinirodhā jarāmaranam sokaparidevadukkhadomanassupāyāsā nirujjhanti. Evam etssa kevalassa dukkhakhandhassa nirodho hotiti. ||2||

तेन समयेन बुध्दो भगवा उरुवेत्लायं विहरति नज्जा नेण्रन्ञाराय तीरे बोधिरुक्खवसूत्ने पठमाभिसमभुको। अथ खो भगवा बोधिरुकखमूत्ने सनाहं एक पञ्चनंकेन निसीदि विमुतिसुखपटि संवेदी। अथखो भगवा रत्तिया पठमं मामं पटिच्च समुप्पादं अनुलोम-पटिलोमं मन अकासि अविज्जापच्चया संखारा, संखारप विञ्ञणं विञ्ञआठावञ्ञया नामरुपं, नामरुपपच्चया सलप्यतनं सलायतनपच्चया फस्सो, फस्सपच्चया वेदना, वेदनापच्चया तण्हा, तष्हापच्चया उपादानं, उपदानपच्चाया भवो, भवपच्चया जाति, जातिपच्चया जरामरणं सोक-परिदेव-दुक्ख-दोमनससुपायासा सम्भवनि। एवं एतस्स केवलस्स दुक्खखन्धस्स समुदयो होति। अबिज्जाय त्वेव असेसविराग निरोधो संखाएनिरोधो, संखाएनिरोधा विञ्ञणनिरोधो, विञ्ञाणनिरोधा नामरुपनिरोधो, नामरुपनिरोधा सलायतननिरोधा सलायतननिरोधा, पस्सनिरोधो, पस्सनिरोध वेदनानिरोधो, वेदनानिरोधआ तण्हा-निरोधा भवनिरोधो, भवनिरोधा जातिनिरोधो जाति निरोधा जरा-माणं सोक-परिदेव-दुक्ख-दोमनस्सुपायासा निरुज्झन्नि। एवं एतस्स केवलस्स दुक्ख खन्धस्स निरोधो होती थी।।

1. How and where did the Buddha attain Sambodhi ?
तथागत बुध्द कहाँ और कैसे सम्बोधि प्रापृ की?

2. What is Paticcasamuppāda ?

पटिच्चसमुप्पाद क्या है?

3. How can the sorrowful condition be stopped ?

दुःखद स्थिति को कैसे रोका जा सकता है?

4. Write the etymology of 'nisīdi,' 'bhagavā', najjā 'hoti', and 'rattiyā'.
निसीदि, भागवा, होति, नज्जा, और रतिया शब्दों पर व्याकणात्मक टिप्पणियां लिखिए।

5. Explain 'nāma', 'rūpa', and 'samkhāra'.
नाम, रुप और संखार को स्पष्ट कीजिए।

SECTION - II

खण्ड – II

दुतियो कण्डो

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

सङ्केतो : इमस्मिं कण्डे पञ्चदस पञ्हा (15) विज्जन्ति। पच्चेकपञ्हस्स उत्तरं परितं तिंसति (30) सद्देसु लेखनीयं। पच्चेकपञ्हस्स पञ्च अङ्का निद्धारिता।

(5x15=75 अङ्क)

6. What was the contribution of Sāriputta to Buddhism ?

बौध्दधर्म में सारपुत्त का क्या योगदान है?

7. What is Brahmajāla ?
ब्रह्माजल क्या है?

8. Enumerate the different categories of Micchāditthi ?
मिच्छदिट्ठि की विविध क्षेणियों की गणना किजिए?

9. Explain the concept of āsava?

आसव की व्याख्या कीजिए?

10. What does 'Yamaka' mean ?

यमक का क्या अर्थ ?

11. What is citta ? Explain.

चित्त क्या है? व्याख्या किजिए

12. Write an introductory note on the authorship of Abhidhammatthasaṅgaho ?

अभिधम्मत्थसंगहो के कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

13. Explain the akusalacittas.

अकुशलचित की व्याख्या किजिए।

14. What is the date and period of the Milindapañha.

मिलिन्दपञ्ह की तिथि और काल पर चर्चा किजिए।

15. What is sīla? Explain.

शील क्या है। स्पष्ट कीजिए

16. What is the literary contribution of Buddhaghosa to Buddhism ?

बौध्दधर्म में बुध्घोष का साहित्यिक योगदान क्या है?

17. How are the Dīpavamsa and Mahāvamsa related to each other ?

दीपवंस और महावंस के बीच का सम्बंध है?

18. Write a note on Samāsa in Pāli.

पालि में समास पर एक टिप्पण लिखिए।

19. hat was the contribution of Dhammapāla to the enrichment of aṭṭakathās?

ट्ठकथा के क्षेत्र में धम्मपाल का क्या योगदान है।

20. What is Paccekabuddha ?

पच्चे कबुध्द क्या है

SECTION - III

खण्ड – III

ततियो कण्डो

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह–बारह (12-12) अंकों के पाँच प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

सङ्केतो : इमस्मिं कण्डे बारस–बारस (12-12) अङ्कानं पञ्च पञ्हा होन्ति। पच्चेकपञ्हस्स उत्तरं परितं द्वे सतानि (200) सद्देसु आकङ्खितं' ति।

(12x5=60 अङ्क)

21. What is the role of similes in explaining a concept in Buddhism?

बौध्दधर्म की व्याख्वा करने में उपामओं का क्या महत्व है? स्पष्ट किजिए।

22. What was the homeland of Pāli? Explain with examples.

पालि किस प्रदेश की भाषा थी इसे सोदाहरह समइये।

23. Evaluate the position of Devadatta in Buddhism.

बौध्दधर्म में देवदत्त के स्थान-निधोरण का मूल्यांकन किजिए।

24. What was the contribution of third Buddhist council in the development of Buddhism?

बौध्दधर्म के विकास में तृतीय बोधि संगत का वया योगदान है?

25. Explain the Bodhisatta ideal in early Pāli literature.

प्रारंभिक पालि साहित्य में बोधिसत्व आदर्श के विजों पर प्रकाश डालिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

चतुत्थो कण्डो

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर, निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

सङ्केतो : इमस्मिं कण्डे चत्तालीस (40) अङ्कानं एकं निबन्धपरकं पञ्हं अत्थि, यस्स उत्तरं एकसहस्स- (1000) सद्देसु आकङ्खितं' ति।

(40x1=40 अङ्क)

26. Write an essay in Pāli on any one of the following topics in about one thousand (1000) words:

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर पालि भाषा में लगभग एक हजार (१०००) शब्दों में निबन्ध लिखिए-

(i) Anattavāda
अनत्तवादो

(ii) Cattāri-ariyasaccāni
चत्तारी अरिसच्चानि

(iii) Ahimsā-Karunā
अहिंसा करुणा

(iv) Bodhisatta-dassanam
बोधिसत्त- दस्सनं

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....